Mrityulangool Mantra Evam Stotram

श्रीमृत्युलांगुल मंत्र एवं स्तोत्रम्

GURUDEV RAJ VERMA

Contact- +91-9897507933, +91-7500292413(WhatsApp No.)

Email- mahakalshakti@gmail.com

For more info visit---

www.scribd.com/mahakalshakti

www.gurudevrajverma.com

Shri Raj Verma ji
Mobile- +91-9897507933, +91-7500292413
Email- mahakalshakti@gmail,com

विनियोग- ॐ अस्य श्रीमृत्युलांगुलमंत्रस्यानुष्टुप् छन्दः, कालाग्निरुद्रो देवताः, वसिष्ठऋषिर्यमो देवता मृत्युपस्थाने विनियोगः।

स्तोत्रम्- ॐ अथातो योग जिह्वा मधुमति वाजिन्यामेवाहं कालपुरुषमूर्ध्वलिंगं विरूपाक्षं विश्वरूपाय नमो नमः। ॐ वर वृषभाय फेनकपिलरूपाय नमो नमः। ॐ पशुपतये नमो नमः। ॐ क्रां क्रीं स्वः।।

फलश्रुति- य इदं मृत्युलांगूलं त्रिसन्ध्यं कीर्तयति स ब्रह्महत्यां व्यापोहति। स्वर्णस्तेयोऽस्त्येयि भवति, गुरुदाराभि गम्योऽगमी भवति, सर्वेभ्यः पातकेभ्यः उपपातकेभ्यश्च सद्यो विमुक्तो भवति, सकृज्जपितेन मंत्रेणानेन गायत्र्यास्तवष्टसहस्राणि भवन्ति। अष्टौ ब्राह्मणान् ग्राहयित्वा ब्रह्मरुद्रलोकमवाप्नोति। यः कश्चिन्न ददाति स श्वेतकुष्ठी, कुनखी भवति। यः कश्चिद्दीयमानं न गृह्वाति सोऽन्धो वधिरो भवति। मृत्यावुपस्थिते षण्मासादर्वाक् मंत्रोऽयं विस्फुरति।। अस्य मृत्युलांगूलाख्य महामंत्रस्य सकृज्जपेन भगवान् धर्मराजो मे प्रीयताम्।

Shri Raj Verma ji
Mobile- +91-9897507933, +91-7500292413
Email- mahakalshakti@gmail,com

मंत्र- 'ॐ ऋतं सत्यं परम्ब्रह्म पुरुषं कृष्णपिंगलम्। उर्ध्वलिंगं विरूपाक्षं विश्वरूपाय नमो नमः।। ऋतं नष्टं यदा काले षण्मासेन मरिष्यति। सत्यं तु पंचमे मासे, परम्ब्रह्म चतुर्थके।। पुरुषं तु तृतीये वै द्वितीय कृष्णपिंगलम्। उर्ध्वलिंगन्तु मासेन, विरूपाक्षं तदर्धके।। विश्वरूपं तृतीयेऽह्नि सद्यश्चैव नमो नमः।'

प्रयोग- जिज्ञासुजन इस साधना को दीपावली, दशहरा, नवरात्र, ग्रहणकाल या महाशिवरात्रि आदि शुभ पर्व में गुरु आज्ञा से आरम्भ करें। प्राचीन शिवमन्दिर या गृहमन्दिर में भगवान् शिव की मूर्ति या चित्र के समक्ष (पंचोपचार पूजन के साथ) पर्व के दिन इस स्तोत्र के 11 पाठ करें एवं मंत्र की भी 11 माला जप कर लेवें। प्रथम दिन केवल यही करना है। इसके उपरान्त् प्रतिदिन नित्यपूजन के साथ एक पाठ स्तोत्र का करें और रात्रि को सोते समय मंत्र को 11 बार जप करके सो जाना चाहिये।

प्रतिदिन नियमित रूप से इसी प्रकार से स्तोत्र एवं मंत्र का जप करने से 6 मास पूर्व मनुष्य को मृत्यु का ज्ञान हो जायेगा। जैसे- जिस दिन मंत्र का 'ऋतं' शब्द का ठीक प्रकार से उच्चारण न हो पाये या इस शब्द पर जिह्वा अटक जाये तो समझ लेना चाहिये कि मृत्यु का समय समीप है। 6 मास के भीतर ही

Shri Raj Verma ji
Mobile- +91-9897507933, +91-7500292413
Email- mahakalshakti@gmail,com

मनुष्य को दानपुण्य के साथ अपने घरपरिवार का प्रबंधन कर देना चाहिये। जिस दिन 'सत्यं' शब्द का सही से उच्चारण न हो पाये या इस शब्द पर जि्हवा अटक जाये तो समझना चाहिये कि मृत्यु में पांच मास शेष हैं। इसी प्रकार जिस दिन 'परम्ब्रह्म' शब्द ठीक से उच्चारित न हो पाये तो समझना चाहिये कि जीवन के 4 मास शेष रहे हैं। 'पुरुषं' शब्द से 3 मास, 'कृष्णपिंगलं' शब्द से 2 मास, 'उर्ध्वलिंगं' शब्द से 1 मास, 'विरूपाक्षं' शब्द से 15 दिन, 'विश्वरूपं' शब्द से 3 दिन और 'नमो नमः' शब्द से सही उच्चारण न होने पर उसी दिन तत्काल मृत्यु समझनी चाहिये।

Books Written by Gurudev Shri Raj Verma ji

- Divya Mantra Sadhana Evam Siddhi

Shri Raj Verma ji
Mobile- +91-9897507933, +91-7500292413
Email- mahakalshakti@gmail,com

- Shri Baglamukhi Divya Sadhana

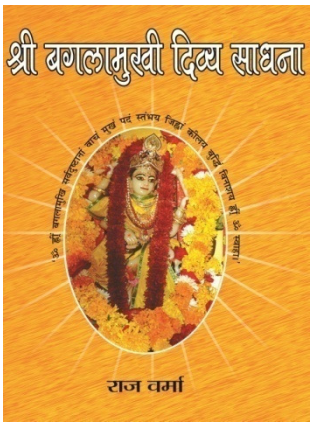

Shri Raj Verma ji
Mobile- +91-9897507933, +91-7500292413
Email- mahakalshakti@gmail,com